Dr.pragya kumari
Asst.prof.
Dept.of psychology
H.D.Jain college Ara

Scanned with CamScanner

Determinants of Sustained Attention

Sustained attention पर कई तरह के कारकों का प्रभाव पड़ता है। इन कारकों में निम्नांकित पाँच महत्वपूर्ण हैं :—

1) संवेदी कारक (sensory factors)
2) संकेत या उद्दीपक उत्कृष्टता (signal conspicuity)
3) पृष्ठभूमि घटना दर (Background event rate)
4) सामयिक एवं स्थानिक अनिश्चितता (Temporal and spatial uncertainty)
5) परिणाम ज्ञान (Knowledge of results)

(1) संवेदी कारक (sensory factors) व्यक्ति का sustained attention इस बात से प्रभावित होता है कि उद्दीपक का स्वरूप क्या है? मनोवैज्ञानिकों द्वारा किये गये अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि जब sustained attention कार्य में श्रवण संकेत की पहचान करनी होती है तो ऐसे कार्य का निष्पादन

उस परिस्थिति से उत्तम होता है जब दीर्घीकृत अवधान कार्य में दृष्टि संकेत की पहचान करनी पड़ती है। दूसरे शब्दों में, जब व्यक्ति को श्रवण संकेतों पर ध्यान देकर उसमें से उपयुक्त संकेत की पहचान करनी पड़ती है तो उत्तम निष्पादन उस परिस्थिति से अधिक उत्तम होता है जब व्यक्ति को दृष्टि संकेतों पर ध्यान देकर उसमें से उपयुक्त संकेत की पहचान करनी पड़ती है। कुछ मनोवैज्ञानिकों जैसे- Parasuraman & Davies 1977, Tyler, Wagg & Halcomb, 1972 ने तो यहाँ तक बतलाया है कि जब प्रयोज्यों को एक संवेदी क्षेत्र में अनुभव प्राप्त हो जाता है तो उससे दूसरे संवेदी क्षेत्र में sustained attention के कार्यों में तेजी से सफलता प्राप्त होता है।

2. संकेत या उद्दीपक उत्कृष्टता (signal conspicuity) →

मनोवैज्ञानिकों द्वारा किये गये प्रयोगों से यह भी स्पष्ट हुआ है कि दीर्घीकृत अवधान पर उद्दीपक या संकेत की उत्कृष्टता का भी प्रभाव पड़ता है।

इसके दो पहलुओं का अध्ययन किया गया है - संकेत की तीव्रता तथा संकेत की अवधि। किसी संकेत या उद्दीपक पर अधिक देर तक ध्यान देने से उसमें व्यस्त विवेचित संकेत या उचित संकेत का ठीक-ठीक पहचान कर पायेगा की नहीं, यह संकेत के विस्तार या तीव्रता तथा उसकी अवधि पर निर्भर करता है। दीर्घीकृत अवधान संकेत के विस्तार से किस तरह प्रभावित होता है, इसे दिखलाने के लिए Loeb & Binford 1963 ने एक महत्वपूर्ण प्रयोग किया है। परिणाम में देखा गया कि इस तरह के दीर्घीकृत अवधान कार्य में विवेचित श्रवण संकेत की तीव्रता जैसे-जैसे बढ़ती गयी, गलत पहचान की औसत संख्या कमती गयी। इस प्रकार के परिणाम अन्य मनोवैज्ञानिकों जैसे - टीकनर एवं उनके सहयोगियों तथा वाईनर आदि द्वारा भी अपने-अपने अध्ययनों में पाया गया है।

Scanned with CamScanner